अध्याय - 3 | कविता के बहाने, बात सीधी थी पर - कुँवर नारायण

QUIZ-01

1. कवि कुँवर नारायण का जन्म किस राज्य में हुआ था ?
   A. मध्य प्रदेश
   B. उत्तर प्रदेश
   C. बिहार
   D. झारखण्ड (B)

व्याख्या : कवि कुँवर नारायण का जन्म उत्तर प्रदेश राज्य में हुआ था।

2. कुँवर नारायण का जन्म किस वर्ष हुआ था ?
   A. सन् 1926
   B. सन् 1927
   C. सन् 1925
   D. सन् 1920 (B)

व्याख्या : कुँवर नारायण का जन्म सन् 1927 में हुआ था।

3. कुँवर नारायण ने किस विश्वविद्यालय से एम0 ए0 प्रतिष्ठा प्राप्त की ?
   A. हिन्दू काशी विश्वविद्यालय
   B. इलाहाबाद विश्वविद्यालय
   C. लखनऊ विश्वविद्यालय
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : कवि ने लखनऊ विश्वविद्यालय से एम0 ए0 की उपाधि प्राप्त की थी।

4. कुँवर नारायण ने काव्य लेखन कब आरम्भ किया ?
   A. सन् 1953
   B. सन् 1950
   C. सन् 1948
   D. सन् 1945 (A)

व्याख्या : उन्होंने काव्य लेखन की शुरुआत सन् 1953 में की थी।

5. कुँवर नारायण ने कविता के अलावा किस प्रकार की रचनाएँ कीं ?
   A. चिंतापरक लेख
   B. कहानियाँ
   C. सिनेमा
   D. इनमें से सभी (D)

व्याख्या : उन्होंने कविता के अतिरिक्त चिंतापरक लेख, कहानियाँ, तथा सिनेमा पर भी लिखा।

6. कवि ने इस कविता में किसे सीमा रहित बताया है ?
   A. कल्पना
   B. विचार
   C. चिड़िया की उड़ान
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : कविता में चिड़िया की उड़ान को सीमाओं से परे बताया गया है।

7. प्रस्तुत पाठ में कविता की उड़ान की तुलना किससे की गई है ?
   A. चिड़ियों का कलरव
   B. मनुष्यों की विचारधारा
   C. चिड़ियों की उड़ान
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : कविता की उड़ान को चिड़ियों की उड़ान के समान माना गया है — स्वतंत्र और सीमाहीन।

8. प्रस्तुत कविता में 'महकना' का अर्थ क्या है ?
   A. खुशबू
   B. दुर्गन्ध
   C. कुम्हलाना
   D. मुरझाना (A)

व्याख्या : कविता में 'महकना' का अर्थ है खुशबू फैलाना।

9. कवि ने इस कविता में विचारों एवं कल्पना को लिखने की तुलना किससे की है ?
   A. पत्थरों से
   B. फूलों से
   C. पत्तों से
   D. मनुष्य से (B)

व्याख्या : कवि ने विचारों और कल्पना को फूलों के समान बताया है, जो महकते हैं और कोमल होते हैं।

10. कवि ने इस कविता में किस पर व्यंग्य किया है ?
    A. इतिहासकार
    B. रचनाकार
    C. साहित्यकार
    D. इनमें से कोई नहीं (A)

व्याख्या : कवि ने इतिहासकारों पर व्यंग्य किया है जो सीमाओं और तिथियों में उलझे रहते हैं।

मिशन ज्ञान पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES